ISSN : 2583-2948

लोग जो जा चुके हैं, गर लौट आएं तो

डॉ. अर्पण जैन 'अविचल'

हिन्दीग्राम, इन्दौर

(म.प्र.) 452001

कॉल- 09893877445

व्हाट्सएप्प- 09406653005

श्मशान चिल्लाएँगे, क़ब्रें चीख़ेंगी

सड़कों पर लाशों का चक्काजाम होगा

अब आत्मा हाहाकार मचाएँगी

और पूछे जाएँगे सवाल धरने होंगे, प्रदर्शन होंगे

आख़िर अस्पताल में हुई

आक्सीज़न की कमी का

ज़िम्मेदार कौन है....?

दवाओं के नहीं मिलने से

हुई मेरी असमय मौत का

ज़िम्मेदार कौन है....?

सड़कों पर भूख और प्यास से

गर दम तोड़ दिया मैंने तो

ज़िम्मेदार कौन है....?

जब अस्पताल के बाहर मैं
मर रहा था और तुम
सियासत कर रहे थे....

बताओ मेरी मौत का
ज़िम्मेदार कौन हैं...?

आख़िर आत्माओं को भी तो
अधिकार है हक़ माँगने का

लाशें अब अपने ऑक्सीज़न
सिलेण्डर के साथ ही आएँगी
सड़कों पर अपना हक़ माँगेंगी

चिताएँ हल्ला करेंगी,
आग अब और तपन देगी
क्योंकि जा चुके लोग
वापस आएँगे....

और गर रूहें हिसाब माँगने लगीं
तो क्या जवाब दे पाएँगे हम!

लोग जो जा चुके हैं
गर लौट आए तो....
क्या हम जवाब दे पाएँगे...?

है न...